# “भूमिका”

यह भजन संग्रह हरि प्रेम में डूबे हुये मन का अर्पण है जिस से भक्त जन प्रभु तक पहुँच सकते हैं। जो भी इस पवित्र सरोवर से जल पान करते हैं,
वह सब शान्ति से हरि स्मरण और भजन गाते हुये प्रभु के प्रेम मे मगन हो जाते हैं।
जो एक बार भी यह भजनामृत जीभ पर आ जाये तो सदा के लिए आनंद ही आनंद का अनुभव होता है। इस भजन माला को हर एक मंदिर, पाठशाला, विश्वविद्यालय या घर में रखने से प्रभु की स्थापना के समान है।

समाज सदा के लिए पंडित आश्रम शर्मा का ऋणी रहेगा जिन्होने बहुत दिनों के परिश्रम से इस अनमोल रतन को जनम दिया है।

पंडित शिवशंकर सिवनारायण